

• ସମାପନେୟ : ଉପରୋକ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନୋତ୍ତର ଉପସଂହାର (୧୫ମ)
 ପ୍ରାର୍ଥନା ପୂର୍ବ ସାଧନା - ୧୩/୧୦/୧୮

- ୧- ଝିଲର ପୁଅ ନାଥୀନୀ
 - ୨- ସାମରାଜ୍ୟରେ ପୁଅ ଫଳ ବଂଶୀନୀ
 - ୩- ସାତନ ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 - ୪- ହସ୍ତକ୍ଷେପ ସାତେ ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 - ୫- ଭାଗ୍ୟନୀର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 - ୬- କୁରୁକ୍ଷେତ୍ର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 - ୭- ସାତାଚାର୍ଯ୍ୟ ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 - ୮- ସାମରାଜ୍ୟରେ ପୁଅ ଫଳ ବଂଶୀନୀ
 - ୯- ସାମରାଜ୍ୟରେ ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
- ସମସ୍ତେ ଏହି କୁହନ୍ତେ ବିଦାୟୀ ପ୍ରାୟ ନାଚିଲେ ହୁଏତ
 ଫଳାଫଳ- ଏହାପାଇଁ ନିଜେ ଏହାକୁ ଏହାକୁ (ସମସ୍ତ)

... ସାମରାଜ୍ୟ

ଉତ୍ତର

- ୧- ସାମରାଜ୍ୟର ସାମରାଜ୍ୟ ନିଜ ନିଜାଧିକାରୀ ଫଳାଫଳ
 ଏହାପାଇଁ ନିଜେ ଏହାକୁ ଏହାକୁ (ସମସ୍ତ)
 - ୨- ସାମରାଜ୍ୟର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ ଏହାକୁ ନିଜେ
 ପ୍ରାୟ ନାଚିଲେ ହୁଏତ ଏହାକୁ ଏହାକୁ (ସମସ୍ତ)
 - ୩- ସାମରାଜ୍ୟର ଦେବୀ ଏହି ସମସ୍ତ ସାମରାଜ୍ୟ
 ୪- ସାମରାଜ୍ୟର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 ୫- ସାମରାଜ୍ୟର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 ୬- ସାମରାଜ୍ୟର ଦେବୀ ଏହି ସମସ୍ତ ସାମରାଜ୍ୟ
 ୭- ସାମରାଜ୍ୟର ଦେବୀ ଏହି ସମସ୍ତ ସାମରାଜ୍ୟ
 ୮- ସାମରାଜ୍ୟର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 ୯- ସାମରାଜ୍ୟର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
 ୧୦- ସାମରାଜ୍ୟର ଦେବୀ ଏହି ସମସ୍ତ ସାମରାଜ୍ୟ
 ୧୧- ସାମରାଜ୍ୟର ପୁଅ ସମ ବଂଶୀନୀ
- ସମସ୍ତେ ଏହି କୁହନ୍ତେ ବିଦାୟୀ ପ୍ରାୟ ନାଚିଲେ ହୁଏତ
 ଫଳାଫଳ- ଏହାପାଇଁ ନିଜେ ଏହାକୁ ଏହାକୁ (ସମସ୍ତ)
 ଏହାକୁ ଏହାକୁ (ସମସ୍ତ) ଏହାକୁ ଏହାକୁ (ସମସ୍ତ) |

୧୫
 ପ୍ରାୟ ନାଚିଲେ ହୁଏତ
 ଏହାକୁ ଏହାକୁ (ସମସ୍ତ)

12. साबोपदेवी परीण रक छोटीलाल वास्ते गुरे
आवारी- नांगल गुलामीदास व हसील जगवाराकाठ
पिला जयपुर (राजस्थान)

- . . जयपुरवाग

प्राथमिक पत्र वावत नकशा
रिपोर्ट इन्सुली अन्तर्गत
धारा 131/136 लैंड रेकॉर्ड एक्ट

दिनांक- 13/07/2019

जयपुरवाग की ओर से एक प्राथमिक पत्र अन्तर्गत धारा 131/136 लैंड रेकॉर्ड एक्ट के तहत नकशा रिपोर्ट इन्सुली का पेश किया। प्राथमिक पत्र का संक्षेप में विवरण इस प्रकार है कि जयपुरवाग की शामिली खातेदारी भूमि कुलाने खण्ड 191 रकबा 5 बीघा 17 पित्ता दादे ग्राम नांगल गुलामीदास पय्यार हज्जा वास्ते लहसील जगवाराकाठ (जयपुर) में स्थित है। जिसके हाल किये बापे सैरलमेन्ट में नवीन खण्ड 269 रकबा 1-48 ईन्सुली बनाये बापे है। पित्त जयपुरवाग शामिली रूप से पूर्वानुसार कागज काबत है।

विवक्षित भूमि पूर्व नकशों में शेड से लागवा तस्मीम शुदा स्थित है। हाल किये बापे सैरलमेन्ट में सैरलमेन्ट कर्मचारीपो न शपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुये उक्त भूमि का रकबा नकशों में कम अंकित कर दिया। नकशों के अनुसार किये काबत है। जयपुरवाग की खातेदारी भूमि के नकशों में अंकित करते समय उनको सकोड कर शेड से लागवा हिले को लुप्त कर घरेला अंकित कर दिया जिससे उक्त भूमि का रकबा नवीन नकशों में कम हो बाप। तथा नवीन नकशों में जयपुरवाग की शेड से लागवा भूमि में कटा कर ज्यादा अंकित कर दिया। जो नोका स्थिति एवं अकृषि व्याप के सिद्धान्तों के विपरीत है। जिसे पूर्व नकशों के अनुसार सुधर करने हेतु निर्देश किया।

64 2019 जयपुरवाग
जयपुरवाग (जयपुर)

उक्त शर्तों पर जो दर्ज रीजिस्ट्र
निकाय जाकर तालमी कषाधोबागों की जारी
की गई दिनांक 20/4/19 को कषाधोबागों
को जारी रीजिस्ट्रेशन हारा तालमी निकाय/
निकाय कषाधोबाग अस्तित्व नहीं हुए दिनांक
20/4/19 को कषाधोबाग सं० 28/12 के विवरण
एकतरफा कार्रवाई काल में लक्ष्य गई

तहसीलदार जायराबाग कषाधोबाग 1 न
अपना जवाब देना किया जिसमें अंकित
निकाय डि ग्राम गांवालयुलसीदास के हाल खण्ड
263 खन्दा 148 हीलर मुज नाथरा दि० 14, रामकिशन,
संभजीलाल, राजन, हनुमान सहाय पि० बा०पाल,
दि० 14, वाबुलाल, फूलचन्द, भागचन्द, बयारहीलाल
मुज हुक्मा दि० 12 जारी कुम्हार राजन रीजिस्ट्र
दर्ज है

शर्तों की सामंजस्य खातेपत्री अति
खण्ड 19) खन्दा 28/11/2 के नवीन खण्ड 263 खन्दा
148 हेक्टर कषाधोबागों शर्तों की उक्त
अति खण्ड 19) पूर्व गन्धों में बेटे से लगान
तहसील मुद्रा है हाल गन्धों में उक्त अति की
खन्दा गन्धों में काम कर दिया बाप है तथा
साक्षर खण्ड 103 का खन्दा नवीन खण्ड 270
का खन्दा अति दि० 12 में लक्ष्य दि० बाप है
बात खण्ड 19) के आधार पर नवीन
खण्ड 263 को सलान गन्धों में प्रस्तावित मुद्रा
कर दर्जिया बाप है

उक्त शर्तों की बहल कुली अति
पहल अति व पत्राली का अस्तित्व काल
पर प्रस्तुत शर्तों पर अन्तर्गत द्वारा 131,
136 लेख रेवेनु एट को स्वीकार किया जाय
है तथा तहसीलदार जायराबाग की शर्तों
के अनुसार (प्रस्तावित गन्धों) अस्तित्व मुद्रा
करने के आदेश तहसीलदार जायराबाग
को दिए जाते हैं तदनुसार राजस्व रीजिस्ट्र
में काल निकाय जाके निरूप व प्रस्तावित
गन्धों की अति तहसीलदार जायराबाग को
पालाअर्थ हेतु निरूप जाके
पत्राली काल अति होकर गन्धों के
काल हो जाते काल अति है
निरूप अस्तित्व बाप

राम
उप सचिव अधिकारी
जायराबाग (जयपुर)

